नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार कायम रहे

त्योहारी मौसम की आहट के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपनी जीवंतता और लचीलापन दिखाया है. जीएसटी सुधारों के बाद जो पारदर्शिता और सुव्यवस्था आई, उसने बाजारों में उपभोक्ता विश्वास को नई उड़ान दी है. दिवाली तक देशभर के व्यापारिक केंद्रों में जिस जोश और उत्साह के साथ खरीदारी हुई, वह न केवल बाजार की सक्रियता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि लोगों की क्रयशक्ति में निरंतर सुधार हो रहा है. एक प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थान के अनुसार, केवल इस फेस्टिवल सीजन में करीब पांच लाख करोड़ रुपए की खरीदी हुई, यह आंकड़ा भारत की खपत-आधारित वृद्धि के मॉडल को और भी मजबूती से साबित करता है. वास्तव में, यह आर्थिक रफ्तार केवल मौसमी उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं है.

पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने जो संरचनात्मक सुधार किए, जैसे कि जीएसटी का सरलीकरण, डिजिटलीकरण का विस्तार, और बेहतर राजकोषीय अनुशासन, उसने आर्थिक गति को स्थायित्व दिया है. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक, सभी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 से 7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ने का अनुमान लगाया है. यह दर न केवल एशिया में बल्कि पूरे विश्व में सबसे तेज है.इस मजबूती के पीछे एक सुसंयोजित नीति ढांचा कार्यरत है. 'मेक इन इंडिया' और 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' जैसी योजनाओं ने निवेश को आकर्षित किया है.

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में जो वृद्धि दर्ज हो रही है, वह वर्षों बाद देखने को मिल रही है. इस क्षेत्र के साथ-साथ भारतीय सेवा उद्योग ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, विशेषकर आईटी, फिनटेक, और हेल्थकेयर सेवाओं में. ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस गति की मुख्य धुरी बनती जा रही है, जहां कृषि और लघु उद्योगों में तकनीकी हस्तक्षेप से उत्पादकता बढ़ी है.हालांकि इस प्रगति के बीच कई चुनौतियां भी हैं. अंतरराष्ट्रीय व्यापार तनाव, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, तथा अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए अनुचित टैरिफ जैसी नीतियां हमारे निर्यात पर दबाव डालती हैं. परन्तु सकारात्मक पक्ष यह है कि भारत ने अपने घरेलू बाजार की मजबूती से इन बाहरी झटकों को काफी हद तक संतुलित रखा है. खुदरा और थोक व्यापार में जो तेजी देखी जा रही है, वह इस बात का संकेत है कि भारत की घरेलू मांग अभी भी अपने चरम पर है.

भविष्य के लिए यह जरूरी है कि नीति-निर्माता इस रफ्तार को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखकर रोजगार और आय वृद्धि से जोड़ें. उत्पादकता में सुधार, स्किल डेवलपमेंट, और हरित प्रौद्योगिकी में निवेश आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित कर सकते हैं. साथ ही, उद्यमिता और स्टार्टअप पारिस्थितिकी को और प्रोत्साहन देना आवश्यक है, क्योंकि यही नवाचार भविष्य की वृद्धि का मूल स्रोत बनेगा.

आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी और अनिश्चितता की ओर झुक रही है, भारत का यह प्रगतिकारी मार्ग दुनिया के लिए आशा की किरण बन सकता है. सरकार, उद्योग और नागरिक, सभी को इस गति को बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करना होगा, ताकि भारत न केवल सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहे बल्कि सबसे सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभरे. भारत की यही रफ्तार, यही ऊर्जा और यही आत्मविश्वास हमारे भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है. अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि यह गति सिर्फ कायम न रहे, बल्कि आने वाले वर्षों में और भी तेज़ हो.

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य से युवा वर्ग प्रेरित

अशोक मनवानी

भारतीय इतिहास में अनेक प्रतापी शासक हुए हैं. ऐसे ही शासक थे सम्राट विक्रमादित्य. उन्होंने न्याय, शौर्य और कालगणना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ. सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में इस वर्ष बहुआयामी प्रयास हुए हैं. कुछ वर्ष पहले वार्षिक विक्रमोत्सव प्रारंभ हुआ, फिर विक्रम विश्वविद्यालय का नाम संशोधित किया गया, जो विक्रम विश्वविद्यालय था. यह सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिष्ठा के अनुकूल सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय हो गया है. ये सब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से हुआ है.

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर राजधानी के नागरिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य देखेंगे. विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए हैं. मुख्यमंत्री निवास के मुख्य द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है. वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था. शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत का भी उल्लेख प्रारंभ किया गया है. इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का नई दिल्ली में अप्रैल- 2025 में मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महानाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है. वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन-जन को विशेष रूप से युवा वर्ग को परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है. मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन,संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए. हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं उन्हें युवा पीढ़ी को जानकारी देकर इस गौरवशाली अध्याय से अवगत करवाना सराहनीय है. युवाओं में सृजन की शक्ति है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं. उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए, यह समय की मांग है.

राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान: सम्राट विक्रमादित्य के गुणों के अनुकूल योगदान देने वाले व्यक्ति सम्मानित हों, इस उद्देश्य से जहां पांच-पांच लाख रूपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान देने का प्रावधान किया गया, वहीं 21 लाख रूपए के राष्ट्रीय सम्मान और एक करोड़ एक लाख रूपए सम्मान निधि के अंतर्राष्ट्रीय विक्रमादित्य सम्मान प्रारंभ करने की पहल की गई. निश्चित ही यह सम्मान और पुरस्कार सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, साहस और भारतीय संस्कृति को पोषित करने की परम्पराओं को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रेरक बनेंगे.

प्रतापी शासक राजा भोज और अन्य सेनानियों की गाथा भी आएगी मंच पर:

भोपाल में कुछ वर्ष पूर्व लाल परेड मैदान पर जाणता राजा का हिंदी में मंचन हुआ, जिसमें शिवाजी महाराज के कृतित्व को दर्शाया गया था. हालांकि जाणता राजा नाटक का एकाध मंचन ही हुआ. देश की राजधानी में लाल किले पर तीन दिन लगातार सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है. इसमें कोई संदेह नहीं कि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नवाचार है. हमारे ऐसी दानवीर शासक जिन्होंने वीरता और न्याय के क्षेत्र में भी दृष्टांत स्थापित किए, वे पाठ्य-पुस्तकों में तो आ गए लेकिन पाठ्य- पुस्तकों से बाहर मंच तक क्यों न पहुंचें. आखिर युवा पीढ़ी को उनकी विस्तार पूर्वक जानकारी क्यों नहीं दी जाना चाहिए? यह नवाचार अवश्य ही अन्य राज्यों तक जाएगा. सम्राट विक्रमादित्य के कार्यों की जानकारी देश भर के नागरिकों को मिलेगी.

(लेखक जनसंपर्क विभाग में प्रभारी संयुक्त संचालक हैं.)

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प की भी पूर्ति होगी

राज्यों में नाटक सहित लोक कलाओं के विकास के साथ भारतीय गौरव का स्मरण करते हुए देश की प्राचीन संस्कृति, भारतीय अस्मिता को सामने लाना आवश्यक है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिर्फ कहने के लिए विरासत से विकास की बात नहीं कही, वे चाहते हैं इसका दायरा विस्तृत हो. हमारे युवा हेरिटेज वॉक करें. वे किलों और स्मारकों को देखें. शौर्य और मेधा के धनी भारत के शासकों के योगदान से परिचित हों. भारतीय स्वाभिमान के प्रसंग चर्चा का विषय बनें. सिर्फ बंद कमरों में संगोष्ठियां न हों बल्कि भारत के ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व बच्चों के बीच भी जाने जाएं. स्कूली पाठ्यक्रम से लेकर विद्यालयों, महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में सगर्व उनका उल्लेख हो और नाट्य मंचन उस थ्योरी को प्रैक्टिकल रूप में रंगमंच पर प्रस्तुत करें. महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन युवाओं को रंगमंच विधा की ओर आकर्षित करने के लिए प्रेरित करेगा.

महाकौशल की डायरी

फोटो सेशन तक सीमित रह गया वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान

अविनाश दीक्षित

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को लेकर कांग्रेसी शहर के चौराहों, तिराहों तक तो पहुंचे लेकिन घर-घर और गली-गली पहुंचने के राहुल के फरमान पर पलीता लगाते भी नजर आए. जिसका परिणाम था कि जिला कांग्रेस कमेटी के पास अभी तक सिर्फ 25 हजार ही हस्ताक्षर पहुंच पाए हैं. जबकि नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा 1 लाख हस्ताक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था. जिला कांग्रेस कमेटी को इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को 17 अक्टूबर को सौंपनी है.

उधर उत्तर मध्य विधानसभा में अभियान ठप्प साबित दिखाई दिया. पश्चिम, कैंट विधानसभा में कुछ-कुछ जगहों पर अभियान की सक्रियता देखी गई वहीं पूर्व विधानसभा में अभियान की ठीक ढंग से सक्रियता देखी गई क्योंकि वहां कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया और उनकी टीम जुटी रही. चर्चाएं हैं कि बैठकों, चौराहों, तिराहों में कांग्रेसी के नामी चेहरों ने फोटो सेशन कराकर सुर्खियां तो बटोर लीं लेकिन हकीकत में हस्ताक्षर अभियान को सफल नहीं बना पाए.

गरीबों के अनाज में निकलीं इल्ली-घुन....

जबलपुर में मोतीलाल नेहरू वार्ड की दो राशन दुकान प्रशासन द्वारा सील तो कर दी गई, जांच में दोषी राशन दुकान संचालक ही निकले क्योंकि वे दोनों जून माह का खाद्यान्न सितंबर में बांट रहे थे लेकिन जांच के मुख्य सवाल अब भी बरकरार हैं. एक तरफ दुकान संचालक अपने बयान पर अडिग हैं कि उनके गोदाम में ये इल्ली, घुन लगा गेंहू, चावल 27 सितंबर 2025 को ही पहुंचा है. दूसरी ओर प्रशासन उनकी बात को ख़ारिज कर रहा है. अन्य राशन दुकानदारों के बीच चर्चाएं हैं कि प्रशासन अपनी खामी को छिपाने दुकान संचालकों पर कार्रवाई कर रही है, जबकि ओपन कैंप तथा अन्य गोदामों में रखे अनाज की क्या दुर्दशा है यह अफसरों को नजर नहीं आ रहा है.

फिलहाल गोदामों में सड़ा अनाज कैसे पहुंचा इसकी जांच करने कलेक्टर ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं लेकिन ये जांच पूरी होने में कितने दिन लगेंगे इसकी जवाबदेही अभी फिलहाल कोई लेते नजर नहीं आ रहा है. जिले में अभी जो हालात देखे जा रहे हैं उससे तो साफ है कि मैदान में राशन दुकान संचालकों और जिला प्रशासन एक बार फिर आमने-सामने आ सकते हैं.

57 साल में जो आज तक नहीं हुआ वो अब हो रहा

रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के 57 साल के इतिहास में आज तक जो नहीं हुआ वो इस बार हुआ.. हुआ ये कि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष को हटाने के लिए कर्मचारियों का ग्रुप लामबंद हो गया.. बस फिर क्या था अध्यक्ष को हटाने की आवाज को प्रतिदिन बुलंद किया जाने लगा. मामला 20 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी संघ द्वारा सितंबर माह में किए जा रहे आंदोलन से जुड़ा था, जिसके बीच कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल ने विवि प्रशासन को पत्र सौंप हड़ताल को बीच में ही स्थगित करने का ऐलान कर दिया. बस फिर क्या था संघ के अन्य कर्मचारियों का कहना था कि अध्यक्ष ने उनसे रायशुमारी नहीं की जिसके बाद कर्मचारियों ने अध्यक्ष का विरोध करना शुरू कर दिया था. अभी हालात ये हैं कि कर्मचारियों ने संघ संविधान का हवाला देते हुए अध्यक्ष, महासचिव और कुलगुरू को सौंपे पत्र में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के लिए आम सभा बुलाने की मांग कर डाली है. कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें अब बिल्कुल विश्वास नहीं है कि वीरेंद्र सिंह पटेल अध्यक्ष के रहते हुए उनका कोई काम हो पाएगा. वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय में अब यह चर्चा जोरों पर है कि अविश्वास प्रस्ताव की आमसभा में अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह पटेल अध्यक्ष पद पर बने रहने के लिए क्या जरूरी 25 प्रतिशत कर्मचारियों को मनाने में वह सफल हो पाएंगे. जानकारों का कहना है कि ये काम अध्यक्ष के लिए अब बिल्कुल आसान होने वाला नहीं है और उन्हें अब अपनी कुर्सी से हाथ धोना पड़ सकती है.

गूगल का भारत में एआई डेटा सेंटर

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को अब इस बात का एहसास हो रहा होगा कि अमेरिका फर्स्ट की उनकी नीति कुछ मामलों में आत्मघाती सिद्ध हो रही है. टैरिफ बढ़ाने से वहां आयात किया जाने वाला सामान महंगा हो गया है और ग्राहकों को ज्यादा दाम देने पड़ रहे हैं. इसके अलावा अमेरिकी कंपनियां भी विदेश में अपना उपक्रम शुरू करना चाहेंगी क्योंकि ऐसा करने से कम लागत आएगी, तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल ने अमेरिका के बाहर विशाखापट्टनम में अपना सबसे बड़ा डेटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है. यह कदम डिजिटल युग की ओर बढ़ रहे भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहायक होगा. इस डेटा सेंटर के लिए गूगल ने अदाणी ग्रुप के अदाणी कोनेक्स से भागीदारी की है. इस प्रोजेक्ट में गूगल 15 अरब डॉलर निवेश करेगा. इसके साथ ही विशाखापट्टनम बंदरगाह से मलेशिया, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया सहित 13 देशों को जोड़ने वाले समुद्र तल में केबल डाले जाएंगे. इससे भारत का आधारभूत ढांचा और मजबूत होगा. यह नया केंद्र पुणे, बेंगलुरू और हैदराबाद के विविध केंद्रों से जोड़ा जाएगा जिससे अनुसंधान को गति मिलेगी. गूगल के इस प्रोजेक्ट से 5 से 6 हजार लोगों को प्रत्यक्ष तथा 30,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा. इसके साथ ही उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य व स्टार्टअप क्षेत्र में एआई आधारित सेवाएं उपलब्ध होंगी. गूगल का यह उपक्रम भारत में नवोन्मेष को बढ़ावा देगा. अमेजान, ओपन एआई, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां तथा अदाणी, अंबानी उद्योग समूह भी इस क्षेत्र में बड़ा निवेश कर रहे हैं. आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू ने सूचना तकनीक का महत्व पहले ही समझ लिया था और इस दिशा में पहल की थी.

मल्टीनेशनल कंपनियां जानती हैं कि भारत में प्रतिभाशाली विशेषज्ञ और मेहनती कार्यबल उपलब्ध हो सकता है. जिन्हें अमेरिका की तुलना में कम वेतन देना पड़ेगा. इसके अलावा जमीन की उपलब्धता भी कम दामों में है. केंद्र व राज्य सरकार नियमों व शर्तों को आसान बनाकर ऐसी बड़ी कंपनियों को भारत में निवेश को आमंत्रित कर सकती है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

एआई से खुला मानसिकता का राज ट्रंप ने पहना बादशाह का ताज

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सनक का एक और नमूना सामने आया है. उन्होंने अपने लाखों विरोधियों को करारा जवाब देने के लिए अपनी एआई फोटो का इस्तेमाल किया. इसमें ट्रंप राजमुकुट पहनकर फाइटर जेट उड़ाते और अपने विरोधी प्रदर्शनकारियों पर लिजलिजा कीचड़ गिराते नजर आ रहे हैं. इसे देखकर आपको क्या लगा?

हमने कहा, ट्रंप की दबी हुई आकांक्षा इसमें नजर आती है. उनकी राजसी और निरंकुश तानाशाही का प्रतीक उनका ताज है. अपनी आक्रामक हवाई मानसिकता के चलते वह फाइटर जेट पर सवार हैं. बम बरसाने की बजाय अपने विरोधियों पर गंदगी गिरा रहे हैं. यह उनकी दमनकारी मनोवृत्ति को दर्शाता है. ट्रंप के खिलाफ 70 लाख लोगों ने सड़क पर उतरकर उन्हें बौखला दिया है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ट्रंप के समर्थकों ने भी उनका महिमामंडन करने के उद्देश्य से ऐसे एआई वीडियो बनाए हैं. उन्होंने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को ट्रंप के सामने घुटनों पर झुकते दिखाया है. ट्रंप ने स्थानीय पुलिस की बजाय न्यूयार्क व कुछ राज्यों में अपने नेशनल गार्ड तैनात किए थे जो राज्यों के अधिकार में हस्तक्षेप था. एक एआई इमेज में ट्रंप काऊबॉय हैट पहने फौजी वर्दी में जलते हुए शिकागो शहर की स्काईलाइन पर हेलिकाप्टर उड़ाते दिखाई दे रहे हैं.

हमने कहा, यह अलोकतांत्रिक शासक की निर्मम प्रवृत्ति को दर्शाता है. ट्रंप को विरोध तो दूर की बात है, असहमति भी नहीं चलती. उनके दोस्त टेस्ला के मालिक एलन मस्क भी उनसे दूर छिटक गए. ट्रंप तीसरे टर्म के लिए भी अमेरिका के प्रेसीडेंट बनने का इरादा रखते हैं

लेकिन संविधान इसकी अनुमति नहीं देता. फ्रैंकलिन रूजवेल्ट 3 बार प्रेसीडेंट चुने गए थे. उसके बाद संविधान संशोधन कर 2 टर्म की सीमा बांध दी गई. अब ट्रंप का प्लान यह है कि अगली बार 2028 के चुनाव में वर्तमान उपराष्ट्रपति जेडी वैन्स रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्रेसीडेंट का चुनाव लड़ें और फिर जीतने के बाद इस्तीफा दे दें. पद खाली होने पर ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बन जाएं, इसे आप शेखचिल्ली का सपना कह सकते हैं. वैसे अमेरिकावासियों को और 3 वर्ष तक सिरफिरे ट्रंप को झेलना है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12058

- डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. पुत्र वाला, पुत्र की कामना करने वाला 2. ध्वनि, गुंजार 3. रक्षा, बचने का भाव, त्राण, बचने हेतु किया गया प्रयत्न 4. पत्थर गढ़ने या काटने वाला कारीगर (उर्दू) 5. हाथी, आठ की संख्या 6. लोकप्रिय (उर्दू) 9. प्रलय (उर्दू) 10. हिरनी, हरिणी 12. तंत्र-मंत्र द्वारा किसी को वश में करना 14. तिरछा, टेढ़ा 16. वायुयान चालक, जो उड़ता हो 17. नारी, नाल, गर्दन 19. कत्था 21. छोटी खाट या बड़ी मचिया

बाएं से दाएं

1. चकवा नामक पक्षी, चकवाक (उर्दू) 4. मेल, मिलाप, वह स्थान जहां दो नदियां मिले 7. औरत 8. तिलपपड़ी 9. जिसमें किसी उग्र प्रभाव से स्वयं रक्षित रखने की शक्ति अथवा गुण हो (सं.) 10. शिकार, आखेट (सं.) 11. राजा, राजस्थानी राजाओं की एक उपाधि 13. बुद्धि, समझ 15. चंद्रमा 16. ऊपर से नीचे आना, शरीर के जोड़ या नस का अपने स्थान से हटना 18. कार्य, काम 19. ठोस, दृढ़, कठिन 20. राजपूतों की जाति की एक प्रधान शाखा 22. शिथिलता, थकान 23. कौटिल्य

Solution 12057

प	र	मा	नं	द		का	श
र	स	द		व	री	य	ता
ख		क		न		दा	नी
	पा		मि		वा		क
अ	र्थ	शा	स्त्र		द		
व		र		अ	वि	ना	शी
ता	ज	दा	र		वा	न	र
र	ई			खं	द	क	

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, आनन्दायक रहेगा,अध्ययन के प्रति आकस्मिक यात्रा का योग है, आर्थिक संसाधनों में सामान्य सुधार होगा, पारिवारिक समस्याओं से कष्ट होगा, वर्ष के मध्य में राजनीति के क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है, लाभप्रद समाचार मिलेगा, वर्ष के अन्त में मान सम्मान के प्रति सचेत रहें, आर्थिक लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम के बाद आंशिक लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आर्थिक संसाधनों में सुधार होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनीतिक मित्र द्वारा परिवर्तन होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है.

मेष- साझेदारी में नयी योजना शुरू हो सकती है, नये मित्र बनेंगे, उच्चाधिकारियों के सहयोग से आजीविका संबंधी प्रयासों में सफलता मिलेगी.

वृषभ- कारोबारी विस्तार की योजना बनेगी, लाभकारी अवसर सामने आयेगें, लाभ होगा. पुराना विवाद दूर होगा, महत्वपूर्ण कार्य बनेगा.

मिथुन- भावनाओं पर काबू रखें, लोग मजाक उड़ायेंगें, कौटुम्बिक दायित्वों की पूर्ति होगी, महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरा होगा, खास व्यक्ति से मिलने का योग है.

कर्क- मामूली बात से करीबी रिश्ते में गलतफ्हमी हो सकती है, कामकाज के प्रति रूचि बनी रहेगी, शुभ समाचार मिलेगा, नियमितता का ध्यान रखें.

सिंह- सकारात्मक सोच से उलझे मामले सुलझेंगे, आर्थिक कार्यों में शिथिलता रहेगी, शारीरिक अस्वस्थ्यता रह सकती है, सोचे हुये कार्यों में विलंब होगा.

कन्या- अधिकारियों के आदेश की अवहेलना न करें, प्रयास करने से इच्छित कार्य बनेंगे, रक्त संबंधियों में मधुरता आयेगी, परिश्रम की अधिकता रहेगी.

तुला- सहकर्मियों के असहयोग से तनाव बढ़ सकता है, प्रापर्टी संबंधी कार्यों में परिश्रम करना होगा, लेन-देन में सतर्कता वांछनीय है.

वृश्चिक- विरोधियों से निपटने कूटनीति से काम लें, शिक्षा संतान के कार्यों में सफ्लता मिलेगी, अनावश्यक विवादों को टालें, न्यायालयीन कार्यों में सफ्लता मिलेगी.

धनु- सोच समझकर नये कार्य में हाथ ड़ालें, चिन्ता दूर होगी, नियोजित कार्यों में इच्छानुसार सफ्लता मिलेगी, दूर-दराज की यात्रा हो सकती है.

मकर- आप जिसे घाटे का सौदा समझ रहे हैं, उसमें अच्छा लाभ होगा, संतान को सफ्लता मिलेगी, कामकाज में विलंब होगा, मित्रों का सहयोग मिलेगा.

कुम्भ- पारिवारिक कलह दूर करने में सफ्लता मिलेगी, वरिष्ठ लोगों का सहयोग रहेगा, शारीरिक शिथिलता रहेगी, प्रियजनों का सहयोग रहेगा.

मीन- टकराव आपसी बातचीत से सुलझ सकता है, उच्च अध्ययन का निर्णय होगा, भाग्यवर्धक प्रयासों में सफ्लता मिलेगी, निजी योजनाओं में सफ्लता मिलेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गंभीर एवं स्वाभिमानी, यात्रा और मनोरंजन का शौकीन होगा, माता पिता को जीवन में सुख रखेगा, नौकरी के क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी, भाग्योदय जन्म स्थान से दूर होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

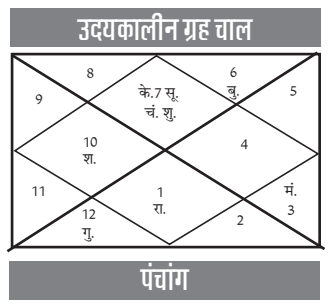

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 6/18, स्वाती नक्षत्रे रात 1/6, प्रीति योगे रात 4/20, वव करणे सू.उ. 6/21, सू.अ. 5/39, चन्द्रचार तुला, पर्व- अन्नकूट, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी में 20 से 30 रूपये की तेजी होगी, रूई कपास में घट-बढ़ होगी, चावल आदि के भाव में समानता रहेगी. चना, जौ के भाव में समता रहेगी. भाग्यांक 8176 है.

SUDOKU 7190

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7189

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7